जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2013-2014

3 अ

जैन विद्या भाग-3

समय : ½ घण्टा　　प्रश्न पत्र : प्रथम　　पूर्णांक 30

रोल नं. अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :- सब प्रश्नो के अंक समान है।

अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें।

1. जम्बू कुमार के साथ दीक्षा ली-

(अ) 500 व्यक्तियों ने　(ब) 530 व्यक्तियों ने

(स) 527 व्यक्तियों ने　(द) 427 व्यक्तियों ने　(　)

2. प्रायश्चित स्वरूप आचार्य हरिभद्र ने रचना की-

(अ) 1440 ग्रंथो की　(ब) 1444 ग्रंथों की

(स) 1344 ग्रंथो की　(द) इनमें से कोई नहीं　(　)

3. ज्ञानभार से कहीं पेट नहीं फट जाये, इसलिए अपने पेट पर स्वर्ण पट बांधने वाले आचार्य थे-

(अ) आचार्य सुधर्मा　(ब) आचार्य हरिभद्र सूरि

(स) आचार्य हेमचन्द्र　(द) आचार्य यशोविजय　(　)

4. 'अभिहया वतिया' चउविसत्थव के सूत्र से लिया गया है-

(अ) कायोत्सर्ग प्रतिज्ञा　(ब) शक्र स्तुति

(स) इर्यापथिक सूत्र　(द) प्रतिक्रमण प्रतिज्ञा　(　)

5. इन्द्रभूति गौतम को संदेह था-

(अ) नरक के अस्तित्व के बारे में (ब) जीव के अस्तित्व के बारे में

(स) लोक के अस्तित्व के बारे में (द) कर्म के अस्तित्व के बारे में　(　)

6. 'शुद्धाचार-विचार-भित्ति पर हम अभिनव निर्माण करें' यह पंक्ति 'प्रयाण गीत' के पद्य की है-

(अ) पहले　(ब) छट्ठे

(स) तीसरे　(द) पांचवे　(　)

7. श्रुत-धर्म, चारित्र-धर्म प्रकार है-

(अ) लोकोत्तर धर्म के　(ब) आगार धर्म के

(स) लौकिक धर्म के　(द) गृहस्थ धर्म के　(　)

8. सम्यक्त्व के हेतु है–

(अ) 4 (ब) 2

(स) 5 (द) 3 ( )

9. तीर्थंकर मल्ली के छद्मस्थ अवस्था का साधना काल है–

(अ) अन्तर्मुहर्त (ब) 12 साल

(स) 12 महीना (द) 12 घंटा ( )

10. जैन परंपरा में काल के विभाग है–

(अ) छः (ब) दो

(स) चार (द) एक ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

(1) पाप के.....प्रकार है।

(2) पांचवीं साध्वी प्रमुखा का नाम.....है।

(3) सरदारांजी के पिता का नाम.....व माता का नाम.....था।

(4) जलचर, स्थलचर.....गति के जीव है।

(5) जयाचार्य ने मुनि.....को पांच पंचो के ऊपर श्री पंच स्थापित किया।

(6) पृच्छना.....का एक प्रकार है।

(7) सक्कथुई का दूसरा नाम.....है।

(8) जयाचार्य की बुआ का नाम.....था।

(9) धर्म की बाड़ी नीपजै धर्म न.....बिकाय।

(10) श्री कृष्ण के प्रिय अनुज.....ने अरिष्टनेमि के पास दीक्षा ली।

सही और गलत का चयन (✓) व (✗) का चिन्ह लगायें –

(1) प्रथम मर्यादा महोत्सव जयाचार्य ने बालोतरा में संपन्न किया। ( )

(2) जैन दर्शन ईश्वर को सृष्टि का कर्त्ता मानता है। ( )

(3) जैन दर्शन सत्य के साक्षात्कार का दर्शन है। ( )

(4) साधना का अंतिम व सर्वोत्कृष्ट फल मोक्ष है। ( )

(5) स्थैर्य सम्यक्तव का लक्षण है। ( )

(6) मेघकुमार की माता का नाम शीलवती था। ( )

(7) हंस व परमहंस आचार्य हरिभद्र के दो विद्वान शिष्य थे। ( )

(8) लेश्या के सात प्रकार है। ( )

(9) आचार्य रायचन्दजी का दूसरा नाम सतयुगी है। ( )

(10) कर्म युग के प्रथम राजा नाभि थे। ( )

जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2013-2014

3 ब

जैन विद्या भाग-3

समय : 2½ घण्टा प्रश्न पत्र : भाग-ब पूर्णांक 70

नोट- पिछले कोर्स से 10 नम्बर के प्रश्न अ व ब दोनो प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं।

(A) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें- *5×2= 10*

1. किस-किस देश के राजाओं ने मल्लिकुमारी से विवाह करने की कामना की?
2. अनेकांत का अर्थ क्या है? इसके पुरस्कर्त्ता कौन थे?
3. नवकरवाली किसे कहते हैं?
4. चरमोत्सव क्यों मनाया जाता है?
5. भारतीय संस्कृति की दो धाराएं कौनसी है?
6. विवाह के लिए आए अरिष्टनेमी वापस क्यों लौट गए?

(B) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें- *5×3= 15*

1. गणधर प्रभास के बारे में संक्षेप में लिखें।
2. देव-गुरु-धर्म की परिभाषा बतायें।
3. नरक कितने है? नामोल्लेख करें।
4. गति शब्द का अर्थ क्या है? गति के प्रकारों का नामोल्लेख करें।
5. जप के कितने भेद है? नाम लिखें।
6. श्रमण धर्म के कितने प्रकार है? नाम लिखें।

(C) किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें- *4×5= 20*

1. 'प्रयाण गीत' का तीसरा पद ध्रुव पद के साथ लिखें।
2. पाप के अठारह प्रकार लिखें।
3. भरत-बाहुबली में कौन-कौन से युद्ध हुए?
4. निर्जरा के बाह्य भेद लिखें।
5. सामायिक से क्या लाभ है और सामायिक कैसे करनी चाहिए?

D. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें- *3×5= 15*

1. ईर्यापथिक सूत्र या विजय गीत के कोई तीन पद लिखें।
2. ज्ञान के आठ आचार लिखें।
3. शब्दार्थ लिखें-

गमणागमणे, उद्दविया, भमलीए, पयासयरा, पुरिसवरपुंडरीयाणं, सिव-मयल, मव्वावाह

E. 'बाहुबली का अहं' कथा को अपने शब्दों में लिखें। *10*

या

'गजसुकुमाल की सहनशीलता' कथा को अपने शब्दों में लिखें।

जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2014-2015 | 3 अ

जैन विद्या भाग-3

समय : ½ घण्टा | प्रश्न पत्र : भाग अ | पूर्णांक 30

रोल नं. अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :- सब प्रश्नो के अंक समान है।

अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें।

1. जयाचार्य ने माघ शुक्ला सप्तमी को किस वर्ष मर्यादा महोत्सव के रूप में नियत कर दिया?
   (अ) वि.सं. 1921 (ब) वि.सं. 1908
   (स) वि.सं. 1917 (द) वि.सं. 1938 ( )

2. किस आचार्य का शासनकाल सबसे कम मात्र 4 वर्ष 7 माह का ही रहा?
   (अ) आचार्य भारमलजी (ब) आचार्य डालचंदजी
   (स) आचार्य जीतमलजी (द) आचार्य माणकगणी ( )

3. कालु तत्त्व शतक (तीसरा वर्ग) में धर्म को व्याख्यायित करने वाले कुल कितने बोल है?
   (अ) पांच (ब) दो
   (स) चार (द) एक ( )

4. ऋषभ के पुत्र थे-
   (अ) 99 (ब) 98
   (स) 100 (द) 125 ( )

5. जप के मुख्यत: भेद है-
   (अ) दो (ब) चार
   (स) तीन (द) आठ ( )

6. 'नमोत्थुणं' पाटी का दूसरा नाम है-
   (अ) उक्कितणं (ब) सक्कथुई
   (स) इरियावहियं सुतं (द) काउस्सग्ग पडिन्ना ( )

7. पूर्व प्रतिज्ञा के अनुसार हरिभद्र ने शिष्यत्व स्वीकार किया-
   (अ) गौतम स्वामी का (ब) याकिनी महत्तरा का
   (स) जंबु स्वामी का (द) महावीर स्वामी का ( )

8. सरदारांजी को दीक्षा किसने दी?
   (अ) युवाचार्य जय (ब) आचार्य जीतमलजी
   (स) मुनि जय (द) आचार्य रायचन्दजी ( )

9. कच्छ के पूज्य कहलाते हैं–

(अ) आचार्य भिक्षु (ब) आचार्य जीतमलजी

(स) आचार्य डालगणी (द) आचार्य भारमलजी ( )

10. सर्वश्रेष्ठ दान है

(अ) रक्तदान (ब) अभयदान

(स) धर्मदान (द) साधु को दान ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

(1) जीव अजीव इन दो राशियों में पूरा.....समा जाता है।

(2) संसार के सब जीव अपने कर्मानुसार चार.....में परिभ्रमण करते हैं।

(3) अरिष्टम नेमि के पिता.....और श्री कृष्ण के पिता वसुदेव सगे भाई थे।

(4) मेतिं भूएसु कप्पए!.....सव्वभूय खेमंकरी।

(5) श्रमण धर्म के.....प्रकार है।

(6) संघ के वर्तमान आचार्य जिस दिन पट्ट पर आसीन होते हैं। उसे.....के रूप में मनाया जाता है।

(7) निर्ग्रंथ शब्द.....का प्रतीक है।

(8) आचार्य डालगणी के पिता का नाम..... तथा माता का नाम.....था।

(9) मघवागणी का नाम.....नक्षत्र में जन्म होने के कारण 'मघराज' रखा गया।

(10) प्रथम साध्वी प्रमुखा हुई.....

सही और गलत का चयन (✓) व (✗) का चिन्ह लगायें –

(1) भगवान ऋषभ का सबसे बड़ा पुत्र बाहुबलि चक्रवर्ती सम्राट बनना चाहता था। ( )

(2) काठमाला की अपेक्षा कर माला को अधिक उत्तम माना गया है। ( )

(3) देव, गुरू, धर्म पर श्रद्धा रखना सम्यकत्व का लक्षण है। ( )

(4) विद्वान हरिभद्र, याकिनी महत्तराजी के पास दीक्षित होकर जैन मुनि बने। ( )

(5) मुनि स्वरूपचंदजी जयाचार्य के बड़े भाई थे। ( )

(6) विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. आइन्स्टीन ने सापेक्षवाद की स्थापना की। ( )

(7) प्रयाण गीत के रचयिता जयाचार्य है। ( )

(8) निर्जरा के बारह प्रकार है। ( )

(9) आचार्य माणकगणी ने डालगणी को युवाचार्य बनाया। ( )

(10) भगवान महावीर ने अज्ञान पूर्ण तप का विरोध किया। ( )

जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2014-2015

3 ब

जैन विद्या भाग-3

समय : 2½ घण्टा | प्रश्न पत्र : भाग-ब | पूर्णांक 70

नोट- पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न अ व ब दोनों प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं।

(A) संक्षिप्त उत्तर लिखें- *5×2= 10*

1. अरिष्टनेमि का जीव जब माता शिवारानी के गर्भ में आया तब उन्होंने स्वप्न में क्या देखा?
2. जंबु कुमार के साथ कौन-कौन व कुल कितने व्यक्ति दीक्षित हुए?
3. सामायिक के अतिचार कौन-कौन से है?
4. आठ साध्वी प्रमुखाओं के नाम बताएं?
5. अनेकान्त और स्याद्वाद में क्या अन्तर है?

(B) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें- *5×3= 15*

1. विजयगीत का एक पद ध्रुवपद के साथ लिखो।
2. चक्कि दुगं हरिपणगं, पणग चक्कीण केसवो चक्की। केसव चक्की केसव, दुचक्की केसव चक्कीय।। साध्वी महत्तराजी ने इसका क्या अर्थ बताया?
3. भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित तीन सिद्धान्तों की व्याख्या एक -एक वाक्य में करें।
4. साध्वी सरदारांजी ने जयाचार्य से किस सुधार के लिए प्रार्थना की?
5. कौन से देवता कल्पोपन्न और कल्पातीत होते हैं, इनमें क्या अन्तर है?
6. धर्मास्तिकाय और अधर्मास्तिकाय में क्या भेद है?

(C) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें- *5×4= 20*

1. जे मे जीवा... जीवियाओ ववरोविया तस्स मिच्छामि दुक्कड़ं चउविसत्थव के इरियावहियं सुतं के इस पद को पूरा लिखो।
2. कालु तत्त्व शतक का चौबीसवां बोल लिखो।
3. भिक्षु चरमोत्सव के बारे में आप क्या जानते हैं?
4. दर्शन के आठ आचार लिखें।
5. किन्हीं दो गणधरों के बारे में संक्षिप्त में लिखें।
6. प्रभव साधु बनने के लिए लालायित क्यों हो गया?

D. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें- *3×5= 15*

1. महावीर वाणी सूक्त के शिक्षा पद अर्थ सहित लिखो।
2. शब्दार्थ लिखिए (कोई पांच)-
   (1) मच्छगलागल (2) सामायिक (3) सीरणी
   (4) आभिग्राहिक (5) अहमिन्द्र (6) लाघव
3. बोहिदयाणं से आगे की पाटी को पूर्ण करें।

E. निबंधात्मक प्रश्न (कोई एक) *1×10=10*

1. महावीर का मेघकुमार को ज्ञानदान कथा अपने शब्दों में लिखें।
2. तीर्थंकर मल्लिकुमारी पाठ में वर्णित वृतान्त को विस्तार से बताइये।

जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2015-2016 | 3 अ

जैन विद्या भाग-3

समय : ½ घण्टा | प्रश्न पत्र : भाग अ | पूर्णांक 30

रोल नं. अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :- सब प्रश्नो के अंक समान है।

अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें।

1. आचार्य हरिभद्र कितने प्रकार की विद्याओं से निण्णात विद्वान थे?
   (अ) 10 (ब) 5
   (स) 14 (द) 20 ( )
2. गणधर इन्द्रभूति गौतम ने शिष्यों के साथ दीक्षा ली-
   (अ) 500 (ब) 300
   (स) 100 (द) 50 ( )
3. 24 तीर्थंकरो में किस तीर्थंकर का छद्मस्थ साधना काल सबसे कम था-
   (अ) अरिष्टनेमि (ब) मल्लिनाथ
   (स) पार्श्वनाथ (द) ऋषभनाथ ( )
4. तेरापंथ में संस्कृत के प्रथम पंडित कहलाते थे-
   (अ) आचार्य भारमलजी (ब) आचार्य मधवागणी
   (स) आचार्य माणकगणी (द) आचार्य कालुगणी ( )
5. हे प्रभों! पा पंथ तेरा, हो रहा अब नव सवेरा विजय गीत का कौन सा पद्य है-
   (अ) पहला (ब) दूसरा
   (स) तीसरा (द) चौथा ( )
6. आचार्य डालगणी के दीक्षा गुरू थे-
   (अ) आचार्य माणकगणी (ब) आचार्य मघवागणी
   (स) मुनि सुमेरमलजी (द) मुनि हीरालालजी ( )
7. महासती सरदारांजी की दीक्षा हुई-
   (अ) चूरू (ब) उदयपुर
   (स) बीदासर (द) जोधपुर ( )
8. धम्मदेसयाणं, धम्मनायगाणं पाटी में है-
   (अ) काउस्सग पडिन्ना (ब) उक्कितणं
   (स) सक्कथुई (द) इरियावहियंसुत्तं ( )

9. तिर्यंच गति जीव कहलाते है–
(अ) जलचर (ब) स्थलचर
(स) नभचर (द) पांच इन्द्रिय ( )

10. मर्यादा महोत्सव की स्थापना हुई–
(अ) वि.सं. 1921 माघ शुक्ला सप्तमी
(ब) वि.सं. 1859 माघ शुक्ला पंचमी
(स) वि.सं. 1860 माघ कृष्णा तृतीया
(द) वि.सं. 1918 भाद्रव शुक्ला पंचमी ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

(1) नमस्कार महामंत्र का स्मरण.....का एक अंग है।
(2) .....धम्ममाहिए।
(3) कुंथु अरंचमल्लि पदे.....नमिजिण च।
(4) आत्म शुद्धि का जहाँ प्रश्न है.....का मोह न हो।
(5) मल्लीकुमारी ने.....की अवस्था में संयम मार्ग को स्वीकार किया।
(6) डालगणी की माता का नाम.....था।
(7) .....से श्रेष्ठ कोई दान नहीं है।
(8) तेरापंथ स्थापना दिवस की तिथि.....है।
(9) जैन और बौद्ध ये.....के संवाहक है।
(10) स्वस्थ तन मन.....की लौ जलाएं।

सही और गलत का चयन (✓) व (✗) का चिन्ह लगायें –

(1) भगवान महावीर के ग्यारह गणधर थे। ( )
(2) स्वाध्याय के आठ प्रकार है। ( )
(3) अरिष्टनेमि बाईसवें तीर्थंकर थे। ( )
(4) दूसरे प्रान्तों में मारवाड़ी का अर्थ है राजस्थानी। ( )
(5) आचार्य माणकगणी युवाचार्य केवल चार दिन रहे। ( )
(6) राजा श्रेणिक के पुत्र का नाम अभयकुमार था। ( )
(7) सामायिक की दान से तुलना हो सकती है। ( )
(8) मानसिक और वाचिक जद के भेद है। ( )
(9) लक्ष्य तक पहुंचने का सबसे बड़ा उपाय अविश्वास है। ( )
(10) आत्मा और कर्मो का संबंध प्रवाह रूप से अनादि है। ( )

जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2015-2016

3 ब

जैन विद्या भाग-3

समय : 2½ घण्टा प्रश्न पत्र : भाग-ब पूर्णांक 70

नोट- पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न अ व ब दोनों प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं।

(A) संक्षिप्त उत्तर लिखें- 5×2=10

1. दृष्टि कितने प्रकार की होती है?
2. हम अभय निर्मल.....पूरा पद्य लिखो।
3. अहिंसा पद के कोई तीन सुक्त अर्थ सहित लिखो।
4. हरिभद्र के कितने विद्वान शिष्य थे? नाम लिखो।
5. माणक गणी का शासन काल कितना रहा?
6. गति शब्द का अर्थ क्या है, चार गति कौन-कौन सी है?

(B) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें- 5×3=15

1. नवकारवाली किसे कहते हैं?
2. हिंसा की कितनी श्रेणी है?
3. संवर और निर्जरा में क्या अन्तर है?
4. धर्म शब्द के कितने अर्थ है?
5. जैन धर्म कितने नाम से प्रचलित है?
6. अपरिग्रह के बारे में बताए।
7. सम्यकत्वी और मिथ्यात्वी में अन्तर बताओ।

(C) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें- 5×4=20

1. उक्कितणं (लोगस्स) पाठ लिखो।
2. "तुम्हारा मुंह देखने वाला नरक में जाता है"-आचार्य भिक्षु। इस प्रसंग को लिखो।
3. अन्नत्थ ऊससिएण.....अप्पाणं वोसिरामि। पूरा करें।
4. हरिभद्र का अहं किसके अर्थ बोध से पिघला?
5. कच्छ पूज्य आचार्य डालगणी का जीवन परिचय लिखें।
6. विज्ञान के क्षेत्र में सापेक्षवाद की व्याख्या किसने की?

D. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें- 3×5=15

1. महावीर वाणी के अंहिसा पद को अर्थ सहित लिखें।
2. सक्कथुई की पाटी अर्थ सहित लिखें।
3. शब्दार्थ लिखें (कोई पांच)

   (1) बोहिदयाणं (2) मपुणरावित्तयं (3) जलचर
   (4) अहमिन्दु (5) आर्जव (6) जीवो जीवस्य जीवनम्

E. निबंधात्मक प्रश्न (कोई एक) 1×10=10

1. सहनशीलता की कथा अपने शब्दों में लिखें।
2. महासती सरदारांजी द्वारा समविभाग की व्यवस्था के बारे में लिखें।

जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2016-2017 | 3 अ

जैन विद्या भाग-3

समय : ½ घण्टा | प्रश्न पत्र : भाग अ | पूर्णांक 30

रोल नं. अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :- सब प्रश्नो के अंक समान है।

अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें।

1. गणधर सुधर्मा जब भगवान के पास दीक्षित हुए तब उनकी उम्र थी-
   (अ) 50 वर्ष (ब) 60 वर्ष
   (स) 40 वर्ष (द) 48 वर्ष ( )
2. इनमें से कौनसा नाम जैन धर्म का पर्यायवाची नहीं है-
   (अ) अर्हत् धर्म (ब) निर्ग्रन्थ धर्म
   (स) वैदिक धर्म (द) श्रमण धर्म ( )
3. गणधर इन्द्रभूति गौतम कितने शिष्यों के साथ दीक्षा ली-
   (अ) 500 (ब) 300
   (स) 100 (द) 50 ( )
4. आचार्य मघवागणी किस अवस्था में आचार्य बने-
   (अ) 41 वर्ष (ब) 32 वर्ष
   (स) 40 वर्ष (द) 33 वर्ष ( )
5. माणकगणी कितने दिनों तक युवाचार्य रहे-
   (अ) 4 वर्ष (ब) 4 माह
   (स) 4 माह 4 दिन (द) 4 दिन ( )
6. आर्जव मार्दव किस धर्म के प्रकार है-
   (अ) आगार धर्म (ब) अनगार धर्म
   (स) श्रमण धर्म (द) चारित्र धर्म ( )
7. देवता के कितने प्रकार होते हैं-
   (अ) 2 (ब) 4
   (स) 10 (द) 25 ( )
8. सम्यकत्व के दो हेतु है-
   (अ) सम, संवेग (ब) क्षायिक वेदक
   (स) शंका, कांक्षा (द) निसर्ग अधिगम ( )

9. आचार्य भिक्षु के समय कौनसी साध्वी मुखिया थी–

(अ) साध्वीश्री सरदारांजी (ब) साध्वीश्री हीरांजी

(स) साध्वीश्री नवलांजी (द) साध्वीश्री दीपांजी ( )

10. प्रथम मर्यादा महोत्सव कहाँ मनाया गया–

(अ) लाडनूँ (ब) पचपदरा

(स) जसोल (द) बालोतरा ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

(1) मल्लिकुमारी मिथिला नरेश.....की सुपुत्री थी।

(2) आचार्य डालगणी.....संबोधन से विख्यात थे।

(3) कुंथु अरं च मल्लि वंदे.....नमि जिण च।

(4) एक लाख मुद्राओं के दान से भी एक.....श्रेष्ठ है।

(5) जैन और बौद्ध ये.....के संवाहक है।

(6) हम अभय निर्मल.....है अटल जैसे हिमालय।

(7) प्रभव चोर के पास.....और उद्घाटिनी दो विद्याएँ थी।

(8) जीव और अजीव इन दो राशियों में पूरा.....समा जाता है।

(9) तेरापंथ स्थापना दिवस की तिथि.....है।

(10)एवं खु नाणिणों सारं, जंन.....किंचणं।

सही और गलत का चयन (✓) व (X) का चिन्ह लगायें –

(1) मेघकुमार ने आचार्य के पास 72 कलाए हस्तगत की। ( )

(2) सम्मेद शिखर को पार्श्वनाथ हिल कहते है। ( )

(3) बड़े जीव को मारने से अधिक व छोटे जीव को मारने से कम हिंसा होती है। ( )

(4) लक्ष्य तक पहुंचने का सबसे बड़ा उपाय अविश्वास है। ( )

(5) आत्मा और कर्मों का संबध प्रवाह रूप से अनादि है। ( )

(6) मुनि गणसुकुमाल ने भिक्षु की ग्यारवीं प्रतिमा स्वीकार की। ( )

(7) छः आवश्यकों में सामायिक दूसरा आवश्यक है। ( )

(8) भरत कर्म युग के पहले राजा थे। ( )

(9) धर्म दो प्रकार का है–आश्रव और निर्जरा ( )

(10) अरिष्टनेमि तेईसंवे तीर्थंकर थे। ( )

जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2016-2017

3 ब

जैन विद्या भाग-3

समय : 2½ घण्टा प्रश्न पत्र : भाग-ब पूर्णांक 70

नोट- पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न अ व ब दोनों प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं।

(A) किन्हीं पांच के संक्षिप्त उत्तर लिखें- 5×2=10

1. श्रमण धर्म के प्रकार कितने व कौन-कौन से है?
2. मिथिल पर कौन-कौन से राज्य ने आक्रमण किया?
3. गजसुकुमाल के मस्तक पर अंगारे किसने व क्यों रखें?
4. तेरापंथ के पर्वों का नाम लिखेंद्य
5. 'आत्मशुद्धि का जहाँ.....संघर्षों के द्वारा' पद्य को पूरा करें।
6. आचार्य श्री मघवागणी का जन्म कब और कहां हुआ, उनके माता पिता का नाम क्या था?

(B) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें- 5×3=15

1. मिथ्यात्व के दस प्रकार लिखें।
2. महावीर वाणी सुक्त के सत्य पद अर्थ सहित लिखो।
3. आप इतने जनप्रिय क्यों? इसका आचार्य भिक्षु ने क्या उत्तर दिया?
4. जप के लिए स्थान कैसा होना चाहिए व क्यों होना चाहिए?
5. श्रीकृष्ण के किन-किन परिजनों का अरिष्टनेमि से क्या रिश्ता रहा?
6. वायुभूति गौतम के बारे में लिखें।

(C) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें- 5×4=20

1. उक्तितणं की पाटी लिखें।
2. आचार्य हरिभद्र का अहं किसके अर्थ बोध से पिघला लिखें?
3. जैन परम्परा में तप के बारे में क्या कहा गया?
4. कच्छ पुज्य आचार्य डालगणी का जीवन परिचय लिखें।
5. ग्यारह गणधरों के सन्देह संक्षेप में बताएं।
6. सम्यक्त्व के दुषण और भूषण क्या है?

D. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें- 3×5=15

1. काउस्सग्ग पडिन्न की पाटी लिखें।
2. महासती सरदारांजी का जीवन परिचय पर प्रकाश डालें।
3. शब्दार्थ लिखें (कोई पांच)

(1) श्रीपंच (2) प्रत्याख्यान (3) जिणाणं
(4) पुरिसवर पुंडरीयाणं (5) प्रत्येक बुद्ध (6) अभिहया

E. निबंधात्मक प्रश्न (कोई एक) 1×10=10

1. बाहुबलि की अहं कथा अपने शब्दों में लिखिये।
2. महावीर का मेघकुमार को ज्ञान दान अपनी भाषा मे लिखें।

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2017-18 **3 अ**

जैन विद्या भाग-3

समय : ½ घण्टा प्रश्न पत्र : भाग अ पूर्णांक 30

रोल नं. अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :- सब प्रश्नो के अंक समान है।

अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें।

1. किस आचार्य का शासन काल सबसे कम मात्र 4 वर्ष 7 माह रहा-
   (अ) आचार्य भारमलजी (ब) आचार्य जीतमलजी
   (स) आचार्य माणकगणीजी (द) आचार्य डालचन्दजी ( )
2. जम्बु कुमार के साथ दीक्षा ली-
   (अ) 500 व्यक्तियों ने (ब) 530 व्यक्तियों ने
   (स) 527 व्यक्तियों ने (द) 427 व्यक्तियों ने ( )
3. श्रावक के 12 व्रतों में सामायिक व्रत है-
   (अ) बारहवां (ब) नौवां
   (स) दसवां (द) आठवां ( )
4. नमोत्थुणं पाटी का दूसरा नाम है-
   (अ) उक्कितणं (ब) सकथुई
   (स) काउस्सगपडिन्ना (द) इरियावहियं सुतं ( )
5. धर्म कितने प्रकार का है-
   (अ) 2 (ब) 4
   (स) 5 (द) 10 ( )
6. सती सरदारांजी को दीक्षा देने वाले आचार्य थे-
   (अ) आचार्य जीतमलजी (ब) मुनिजय
   (स) युवाचार्य जय (द) आचार्य रायचन्दजी ( )
7. 'हम अभय निर्मल निरामल, है अटल जैसे हिमालय' ये पंक्ति है-
   (अ) प्रयाण गीत (ब) विजय गीत
   (स) अणुव्रत गीत (द) महावीर वंदना ( )
8. लोगस्स की पाटी में पद्य है-
   (अ) 2 (ब) 5
   (स) 4 (द) 7 ( )

9. तीर्थंकर मल्ली के छद्मस्थ अवस्था का साधना काल है–

(अ) अन्तमुहर्त (ब) 12 साल

(स) 12 महीना (द) 12 घन्टे ( )

10. जैन संस्कृति व्रात्यों की संस्कृति है व्रात्य शब्द का मूल है–

(अ) त्याग (ब) तपस्या

(स) व्रत (द) उपासना ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

(1) आश्रव के.....प्रकार है।

(2) सुविहिं च पुप्फ दंतं.....वासुपूज्जं च।

(3) मुनि मघराजजी को जयाचार्य ने पांच पंचों के ऊपर.....
स्थापित कर दिया।

(4) जलचर स्थलचर.....गति के जीव है।

(5) आचार्य डालगणी के पिता का नाम.....था।

(6) राजीमती के शादी.....के साथ तय हुई।

(7) एक लाख मुद्राओं के दान से भी एक.....श्रेष्ठ है।

(8) आचार्य हरिभद्र का.....परिवार में जन्म हुआ।

(9) गणधरों के द्वारा की गई रचनाएं.....कहलाती है।

(10).....विश्व की गतिशीलता सक्रियता का सहायक तत्त्व है।

सही और गलत का चयन (✓) व (✗) का चिन्ह लगायें –

(1) जैन दर्शन ईश्वर को सृष्टि का कर्त्ता मानता है। ( )

(2) आचार्य रायचन्दजी का दूसरा नाम सतयुगी है। ( )

(3) साधना का प्रथम व सर्वोत्कृष्ट फल मोक्ष है। ( )

(4) भगवान महावीर के तीसरे गणधर का नाम सुधर्मा है। ( )

(5) आचार्य हरिभद्र पेट पर स्वर्ण पट बाँधकर रखते थे। ( )

(6) ज्योतिष्क देव तीन प्रकार के होते हैं। ( )

(7) अपरिग्रह का आधार है–मुर्छा और ममत्व का अभाव। ( )

(8) छः आवश्यको में सामायिक दूसरा आवश्यक है। ( )

(9) एकेन्द्रिय जीवों को मारकर पंचेन्द्रिय का पोषण करने में धर्म नहीं है।
( )

(10) भगवान महावीर 24 वें तीर्थंकर थे। ( )

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2017-18 **3 ब**

जैन विद्या भाग-3

समय : 2½ घण्टा प्रश्न पत्र : भाग-ब पूर्णांक 70

नोट- पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न अ व ब दोनों प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं।

(A) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखें- **5×2=10**

1. भारतीय संस्कृति की दो धाराएँ कौनसी है?
2. चरमोत्सव क्यों मनाया जाता है?
3. प्रयाणगीत के कोई दो पद्य लिखें।
4. साध्वी प्रमुखाओं के नाम लिखें।
5. लोगस्स पाठ में किसकी स्तुति की गई है?
6. हरिभद्र ने प्रतिबोध किससे प्राप्त किया?

(B) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें- **5×3=15**

1. जैन धर्म कितने नाम से प्रचलित है?
2. नरक के कितने प्रकार है? नामोल्लेख करें।
3. आचार्य भिक्षु के प्रेरक प्रसंग में से कोई एक लिखें।
4. भगवान महावीर के गणधरों का क्रम से नाम लिखें।
5. अर्थ हिंसा और अनर्थ हिंसा से आप क्या समझते हैं?
6. महावीर वाणी का अहिंसा पद लिखें।

(C) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें- **5×4=20**

1. नौ तत्त्वों में जीव तत्त्व और अजीव तत्त्व कौन-कौनसे है?
2. कार्यात्सर्ग प्रतिज्ञा लिखें।
3. कितने देश के राजाओं ने मल्लिकुमारी से विवाह की कामना की थी?
4. हिंसा की कितनी श्रेणीयां है? उनके बारे में लिखें।
5. आचार्य माणकगणी का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखें।
6. कुशल व्यवस्थापिका कौनसी साध्वी थी? उनकी कुशलता पर प्रकाश डालें।

D. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें- **3×5=15**

1. ईर्यापथिक सूत्र लिखें।
2. जैन धर्म में सम्यकत्व का महत्व क्यों है? बताएं।
3. शब्दार्थ लिखें (कोई पांच)

(1) सहसंबुद्धाणं (2) लोगुतमांणं (3) सरणदयाणं
(4) आभिग्राहिक (5) बोहयाण (6) णमों जिणाणं

E. निबंधात्मक प्रश्न (कोई एक) **1×10=10**

भगवान महावीर का मेघकुमार को ज्ञान दान कहानी अपने शब्दों में लिखें।

या

गजसुकुमाल की सहनशीलता की कथा अपने शब्दों में लिखें।

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा II : सत्र 2017-18 **3 अ**

जैन विद्या भाग-3

समय : ½ घण्टा प्रश्न पत्र : भाग-अ पूर्णांक 30

नामांक अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :- सभी प्रश्नों के अंक समान है।

अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें।

1. धम्मदेसयाणं का अर्थ है-

   (अ) धर्म के दाता (ब) धर्म के नायक

   (स) धर्मोपदेशक (द) धर्म रथ के सांरथी ( )

2. सरदारांजी को दीक्षा दी-

   (अ) आचार्य रायचन्दजी (ब) मुनि जय

   (स) युवाचार्य जय (द) आचार्य जीतमलजी ( )

3. कौन से तीर्थंकर नारी समाज के गौरव का विषय है-

   (अ) भगवान अजीतनाथ (ब) भगवान मल्लिनाथ

   (स) भगवान कुंथुनाथ (द) भगवान अरनाथ ( )

4. नौ तत्त्वों में अजीव तत्त्व है-

   (अ) 5 (ब) 2

   (स) 3 (द) 6 ( )

5. मेघ कुमार पूर्वजन्म में था-

   (अ) घोड़ा (ब) ऊंट

   (स) शेर (द) हाथी ( )

6. अरिष्टनेमि को दीक्षा के कितने दिन बाद केवल ज्ञान प्राप्त हुआ-

   (अ) 54 दिन के बाद (ब) 30 दिन के बाद

   (स) 70 दिन के बाद (द) 21 दिन के बाद ( )

7. श्वेताम्बर परम्परा के अनुसार भगवान महावीर के प्रथम पट्टधर थे-

   (अ) सुधर्मा स्वामी (ब) इन्द्रभूति

   (स) गौतम स्वामी (द) वायुभूति ( )

8. लोगनाहाणं का अर्थ है-

   (अ) लोक के उत्तम (ब) लोक के नाथ

   (स) लोक के हितकारी (द) कोई नहीं ( )

9. छ. आवश्यकों में सामायिक कौनसा आवश्यक है–

(अ) प्रथम (ब) द्वितीय

(स) पांचवा (द) छठा ( )

10. तेरापंथ स्थापना दिवस है–

(अ) वि.सं. 1783 (ब) वि.सं. 1808

(स) वि.सं. 1817 (द) वि.सं. 1860 ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

(1) सच्चं लोयम्मि.....।

(2) हम अभय निर्मल निरामय,.....।

(3) समुद्र विजय के चार पुत्र थे.....सत्यनेमि दृढ़नेमि।

(4) भगवान महावीर के पंचम गणधर का नाम.....है।

(5) जम्बुकुमार का.....कन्याओं से विवाह हुआ।

(6) कच्छ के पुज्य.....कहलाते थे।

(7) प्रथम साध्वी प्रमुख.....हुई।

(8) संसार के सब जीव अपने कर्मानुसार चार.....में परिभ्रमण करते हैं।

(9) जैन दर्शन सत्य के.....का दर्शन है।

(10) चंदेसु निम्मलयरा,.....पयासयरा।

सही और गलत का चयन (✓) व (✗) का चिन्ह लगाये–

(1) देव गुरु धर्म पर श्रद्धा रखना सम्यकत्व का लक्षण है। ( )

(2) आचार्य भिक्षु रूढ़िवाद के विरोधी थे। ( )

(3) डालगणी के शासन काल में एक सौ नब्बे दीक्षाएं हुई। ( )

(4) पाप के 18 भेद है। ( )

(5) मुनि स्वरूपचन्दजी जयाचार्य के बड़े भाई थे। ( )

(6) चन्द्र, सूर्य, ग्रह, नक्षत्र और तारा वैमानिक देव के प्रकार है। ( )

(7) धर्म के 8 भेद है। ( )

(8) बाहुबली का अहम् ब्राह्मी और सुन्दरी के मधुर स्वर लहरी से टुटा। ( )

(9) आज तक आठ साध्वी प्रमुखाएं हुई है। ( )

(10) सामायिक जैन उपासना विधि का मुख्य अंग है। ( )

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा II : सत्र 2017-18 **3 ब**

जैन विद्या भाग-3

समय : 2½ घण्टा प्रश्न पत्र : भाग-ब पूर्णांक 70

नोट- पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न अ व ब दोनों प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं।

A. किन्हीं पांच के संक्षिप्त उत्तर लिखें- 5×2=10

1. आगम किसे कहते हैं?
2. देवता कितने प्रकार के हैं? नाम लिखें।
3. अहिंसा सव्वभूय खेमंकरी का अर्थ लिखें।
4. तेज सुरज सा पद्य को पूरा करो।
5. पेट पर स्वर्ण पट कौन बांध कर रखते थे और क्यों?
6. अर्थ हिंसा और अनर्थ हिंसा में क्या भेद है?

B. किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें- 5×3=15

1. मिथ्यात्व के दस प्रकार लिखें।
2. गृहस्थ किस प्रकार का धर्म कर सकते हैं?
3. शिक्षा पद के कोई तीन सूत्र लिखें।
4. भगवान महावीर के तीन सिद्धान्त कौन से हैं? लिखें।
5. अरिष्टनेमि और श्रीकृष्ण क्या रिश्ता था?
6. कल्पोपन्न और कल्पातीत देवता में क्या अन्तर है?

C. किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर लिखें- 5×4=20

1. किन्हीं दो गणधरों के बारे में संक्षिप्त लिखिए।
2. चउवीसत्थव के इरियावहियं सूत्र लिखें।
3. धर्मास्तिकाय और अधर्मास्तिकाय में क्या भेद है?
4. दस मन का हलुवा की घटना अपने शब्दों में लिखें।
5. प्रयाण गीत के कोई दो पद्य ध्रुव पद के साथ लिखें।
6. मुक्त आत्माएं सिद्धालय में क्या करती है?

D. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें- 3×5=15

1. कयोत्सर्ग प्रतिज्ञा लिखें।
2. मर्यादा महोत्सव कब और कैसे मनाया जाता है?
3. शब्दार्थ लिखे (कोई पांच)

   (1) लोगपईवाणं (2) मायेगाणं (3) जावयाणं

   (4) चक्कवट्टीणं दीवो ताण (5) आभिग्राहिक (6) लाधव

E. निबंधात्मक प्रश्न (कोई एक) 1×10=10

1. महावीर का मेघकुमार के ज्ञानदान अपनी भाषा में लिखें।
2. आचार्य हरिभद्र सुरि का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखें।

9. जीव के अस्तित्व के बारे में संदेह किस गणधर को था?
(अ) प्रभात (ब) वायुभूति
(स) मेतार्य (द) गौतम ( )

10. तेरापंथ धर्म संघ के छठे आचार्य कौन थे?
(अ) आचार्यश्री माणकगणी (ब) आचार्यश्री तुलसी गणी
(स) आचार्यश्री कालुगणी (द) आचार्यश्री मघवागणी ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

(1) तेरापंथ धर्मशासन एक आचार्य.....एक विचार और एक.....के लिए प्रसिद्ध है।

(2) जिस जप में इष्ट मंत्र की आवृत्ति केवल मन से उसे.....जप कहते हैं।

(3) हम अभय निर्मल.....है अटल जैसे हिमालय।

(4) याकिनी महत्तराजी धीर–..... आगम विज्ञ और व्यवहार निपुण साध्वी थी।

(5) जैन संस्कृति व्रात्यों की संस्कृति है। उसका अर्थ है संयम और.....

(6) .....और.....हरिभद्र के दो विद्वान शिष्य है।

(7) अहिंसा सव्वभूय.....

(8) धर्म दो प्रकार संवर और.....

(9) तेरापंथ धर्म संघ में प्रतिवर्ष प्रमुख रूप से.....महोत्सव मनाये जाते हैं।

(10) 'समता का लाभ' कौन से व्रत ग्रहण करने में होता है.....

सही और गलत का चयन (✓) व (✗) का चिन्ह लगायें –

(1) मुक्त को अमुक्त एवं अमुक्त को मुक्त समझना सम्यक्त्व है। ( )
(2) भारतीय संस्कृति दो धाराओं में प्रवाहित हुई है, वैदिक संस्कृति और श्रमण संस्कति ( )
(3) आत्मा ही अपना मित्र है और आत्मा ही शत्रु है। ( )
(4) जन्म मरण का मुख्य कारण है आत्मा का कर्म रहित होना। ( )
(5) अपरिग्रह का आधार है मुर्छा और आसक्ति। ( )
(6) आत्मा के साथ कर्मों का संबंध अनादि कालिन है। ( )
(7) जैन दर्शन, सत्य के साक्षात्कार का दर्शन है इसलिए वह अनेकांत का दर्शन है। ( )
(8) तेरापंथ धर्म संघ में आज तक सात साध्वी प्रमुखाएं हुई है। ( )
(9) रूढिवाद भीखणजी के प्रकृति के विरुद्ध। ( )
(10) गति शब्द का अर्थ है स्थिर रहना। ( )

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2018–19 **3 अ**

जैन विद्या भाग-3

समय : ½ घण्टा प्रश्न पत्र : भाग अ पूर्णांक 30

रोल नं. अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :– सभी प्रश्नो के अंक समान है। उत्तीर्णांक 100 में से 40 अंक होंगे।
अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें।

1. संक्षेप दृष्टि से यह लोक कितने तत्वों से बना है–
(अ) 4 (ब) 5
(स) 2 (द) 9 ( )

2. जिन मनुष्यों के मन होता है, वे क्या कहलाते हैं–
(अ) असंयमी (ब) असंज्ञी
(स) संयमी (द) संज्ञी ( )

3. इनमें से कौनसे देवता के प्रकार नहीं है–
(अ) भवनपति (ब) जलचर
(स) ज्योतिष्क (द) वैमानिक ( )

4. आचार्यश्री डालगणी का जन्म कब हुआ–
(अ) वि.सं. 1909 आषाढ शुक्ल 4
(ब) वि.सं. 1912 भाद्र पद कृष्ण 4
(स) वि.सं. 1860 भाद्रव शुक्ल 13
(द) वि.सं. 1860 आश्विन शुक्ल 14 ( )

5. कितने देश के राजाओं ने मल्लिकुमारी से विवाह की कामना की थी?
(अ) 4 (ब) 5
(स) 2 (द) 6 ( )

6. भगवान महावीर के कितने गणधर थे?
(अ) 10 (ब) 5
(स) 11 (द) 9 ( )

7. अंतिम केवली कौन हुए?
(अ) गौतम स्वामी (ब) जंबू स्वामी
(स) सुधर्मा स्वामी (द) महावीर स्वामी ( )

8. हिंसा कितनी श्रेणियों में विभक्त की जा सकती है?
(अ) 3 (ब) 4
(स) 2 (द) 5 ( )

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2018–19 **3 ब**

जैन विद्या भाग–3

समय : 2½ घण्टा प्रश्न पत्र : भाग–ब पूर्णांक 70

नोट– पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न अ व ब दोनों प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं।

(**A**) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखें– 5×2=10

1. सच्चं लोयम्मि सार भूयम् का अर्थ लिखें?
2. नया मोड....हमको सबसे प्यारा पद्य को पूरा करो?
3. भगवान महावीर के कितने गणधर हुए? उनकी रचनाएँ क्या कहलाती है?
4. हरिभद्र के प्रमुख ग्रंथ के नाम लिखें?
5. मघवागणी को आचार्य पद कहाँ दिया? व अपने हाथों से कितनी दीक्षा दी?
6. तेरापंथ धर्म संघ में कितनी साध्वी प्रमुखाएँ हुई? व वर्तमान साध्वी प्रमुखा का नाम बताओ?

(**B**) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5×3=15

1. नरक गति का वर्णन करें?
2. जंबू स्वामी के साथ कौन–कौन मोक्ष गये?
3. क्या अर्थ हिंसा में भी पाप है? यदि है तो क्यूं?
4. धर्मास्तिकाय और अधर्मास्तिकाय में क्या भेद हैं?
5. तेरापंथ स्थापना दिवस की कब व कहाँ शुरुआत हुई?
6. जप करते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

(**C**) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5×4=20

1. सरण–गई–पइट्ठा....की आगे की पाटी को पूर्ण करें?
2. आचार्य भिक्षु के प्रेरक प्रसंग–रुढिवादी के विरोधी इस घटना को संक्षेप में लिखें?
3. अनेकांत का जैन धर्म में क्या महत्व है?
4. रत्नत्रयी किसे कहते है? उनका संक्षिप्त वर्णन करें?
5. आचार्य माणकगणी के आचार्य अवस्था पर प्रकाश डालें?
6. अरिष्टनेमि एवं कृष्ण के पारिवारिक संबंध पर लिखें?

D. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 3×5=15

1. काउस्सग्ग पडिन्ना या महावीर वाणी का शिक्षा पद लिखें?
2. मघवागणी के जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डालें?
3. शब्दार्थ लिखें (कोई पांच)

(1) मोणेणं (2) सहसंबुद्धाणं (3) तारयाणं
(4) आचाम्ल (5) विवेगे धम्ममाहिए (6) पंचिंदिया

E. निबंधात्मक प्रश्न (कोई एक) 1×10=10

गजसुकुमाल की सहनशीलता की कथा अपने शब्दों में लिखें।

या

मल्लिककुमारी की कहानी संक्षिप्त में लिखें।

9. डालगणी का जन्म हुआ–
(अ) उज्जैन में (ब) बड़ी रावलियां
(स) मूंहाग्राम (द) छोटी रावलियां ( )

10. तेरापंथ धर्मसंघ में आज तक साध्वी प्रमुखाएं हुयी हैं–
(अ) नौ (ब) आठ
(स) ग्यारह (द) सात ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

(1) स्वस्थ तनमन, स्वस्थ चिंतन.....जगाएं।

(2) सच्चम्मि धिई.....

(3) भोजकुल के राजा.....की पुत्री राजिमती के साथ .....का विवाह निश्चित हुआ।

(4) गणधर इन्द्रभूति का जन्म.....ग्राम में हुआ।

(5) प्रभास गणधर की माता का नाम.....था।

(6) इस काल के अंतिम केवली.....थे।

(7) आचार्य रायचन्दजी के समय साध्वी.....मुखिया थी।

(8) सरदार सती ने जयाचार्य की आशा से एक रात में..... साध्वियों के.....नये सिंघाटक तैयार किये।

(9) माणकगणी वि.सं.....चैत्र कृष्णा..... को युवाचार्य नियुक्त किए गए।

(10) देवता के चार प्रकार है..... और वैमानिक।

सही और गलत का चयन (✓) व (✗) का चिन्ह लगायें –

(1) राजस्थान में मारवाड़ी का अर्थ जोधपुर राज्य का वासी है। ( )
(2) वायुभूति और अग्निभूति भाई–भाई थे। ( )
(3) अरिष्टनेमि की माता का नाम धारिणी था। ( )
(4) मल्लिकुमारी ने सौ वर्ष की अवस्था में संयम मार्ग स्वीकार किया। ( )
(5) डालगणी को अपने आचार्य चुने जाने की खबर जोधपुर के प्रमुख श्रावक लिछणमदासजी भंडारी द्वारा दी गयी। ( )
(6) सरदारांजी की दीक्षा 32 वर्ष की उम्र में हुयी। ( )
(7) पांचवीं साध्वी प्रमुखा श्री झमकूजी थे। ( )
(8) माणकगणी के शासनकाल में 40 दीक्षाएं हुयी। ( )
(9) आचार्य हरिभद्र ने 'समरादित्यं' काव्य की रचना की। ( )
(10) हंस और परमहंस हीरविजयजी के विद्वान शिष्य थे। ( )

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2018–19 II **3 अ**

जैन विद्या भाग–3

समय : ½ घण्टा पूर्णांक 30

रोल नं. अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :– सभी प्रश्नो के अंक समान है। उत्तीर्णांक 100 में से 40 अंक होंगे।
अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें।

1. उद्दविया का अर्थ है–
(अ) मृत तुल्य किया हो (ब) भयभीत किया हो
(स) उद्धार किया हो (द) उदीप्त किया हो ( )

2. जावयाणं का अर्थ है–
(अ) राग–द्वेष को जिताने वाले (ब) राग–द्वेष को जीतने वाले
(स) कल्याणकारी (द) ज्ञान–दर्शन धारक ( )

3. मल्लिकुमारी के पिता का नाम था–
(अ) समुद्रविजय (ब) कुम्भ
(स) सत्यनेमि (द) ऋषभदत ( )

4. मंडित के शिष्य थे–
(अ) 500 (ब) 300
(स) 350 (द) 250 ( )

5. गणधर मेतार्य को शंका थी–
(अ) परलोक है या नहीं (ब) स्वर्ग है या नहीं
(स) नरक है या नहीं (द) मोक्ष है या नहीं ( )

6. मघराजजी युवाचार्य बनें, उस समय उनकी उम्र थी–
(अ) 28 वर्ष (ब) 22 वर्ष
(स) 30 वर्ष (द) 24 वर्ष ( )

7. जिन मनुष्यों के मन नहीं होता वे कहलातें हैं–
(अ) संज्ञी (ब) असंज्ञी
(स) नो संज्ञी नो असंज्ञी (द) असंयमी ( )

8. तेरापंथ धर्मसंघ के पांचवें आचार्य थे–
(अ) माणकगणी (ब) मघराजजी
(स) डालगणी (द) कालूगणी ( )

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2018-19 II

3 ब

जैन विद्या भाग-3

समय : 2½ घण्टा पूर्णांक 70

नोट- पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न अ व ब दोनों प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं। उत्तीर्णांक 100 में से 40 अंक होंगे

(**A**) निम्न प्रश्नों के उत्तर दें (कोई दस) 10X3=30

1. गजसुकुमाल की सहनशीलता से क्या प्रेरणा मिलती है?
2. पट्टोत्सव के बारे में बताएं।
3. देव और गुरु की परिभाषा बताएं।
4. जड़ कर्म जीवों को यथोचित फल कैसे दे सकते हैं?
5. भगवान महावीर के अपरिग्रह सिद्धांत को समझाएं।
6. पुद्गल हमारे लिए क्यों अपेक्षित हैं?
7. कल्पोपन्न और कल्पातीत देवताओं के बारे में बताएं।
8. एकेन्द्रिय को मारकर पंचेन्द्रिय का पोषण करने में धर्म है या नहीं।
9. मुनि कालुजी ने आचार्य डालगणी के आचार्य पद के नाम की घोषणा किस प्रकार की।
10. मघवागणी के बाह्य और आन्तरिक व्यक्तित्व के बारे में संक्षिप्त जानकारी दें।
11. जम्बूकुमार को वैराग्य कैसे हुआ?

(**B**) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें - 5X8=40

1. सामायिक कैसे करनी चाहिए?
2. जप करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
3. गणधर व्यक्त के बारे में लिखें।
4. प्रयाण गीत का तीसरा, चौथा पद लिखें।
5. ज्ञान-दर्शन, चारित्र के आचार लिखें।
6. इर्यापथिक सूत्र लिखें।

9. ज्यों-ज्यों चरण बढ़ेंगे आगे स्वत: मार्ग बन जायेगा ये पंक्ति कौन से गीत की है?
(अ) अणुव्रत गीत (ब) प्रयाण गीत
(स) विजय गीत (द) परमेष्ठी वंदना ( )

10. पुरिससीहाणं का अर्थ है-
(अ) पुरुषों में सिंह के समान (ब) पुरुषों में उत्तम
(स) पुरुषों में प्रवर पुण्डरीक (द) पुरुषों में प्रधान ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति करें -

(1) तेरापंथ स्थापना दिवस की तिथि.....हैं।
(2) प्रभव चोर के पास.....और उद्घाटिनी दो विद्याएं थी।
(3) जप के मुख्यत.....और.....दो भेद है।
(4) मुनि गज सुकुमाल की कहानी.....की एक जीती जागती कहानी है।
(5) सामायिक जैन उपासना विधि का.....है।
(6) देव गुरु और धर्म पर श्रद्धा रखना.....का लक्षण है।
(7) हर कठिन जीवन घड़ी में.....मुस्कराएं।
(8) विवेगे धम्ममाहिए का अर्थ है.....है।
(9) आर्जव मार्दव.....धर्म के प्रकार है।
(10) आचार्य डालगणी के पिता का नाम.....एवं माता का नाम.....था।

सही और गलत का चयन (✓) व (✗) का चिन्ह लगायें -

(1) छः आवश्यकों में सामायिक प्रथम आवश्यक है। ( )
(2) माघ शुक्ला सप्तमी के दिन पट्टोत्सव आता है। ( )
(3) जन्म-मरण का मुख्य कारण है आत्मा का कर्म सहित होना। ( )
(4) चन्द्र, सूर्य, ग्रह, नक्षत्र और तारा ज्योतिष्क देव के प्रकार है। ( )
(5) गणधर के द्वारा की गई रचनाएं आगम कहलाती है। ( )
(6) भरत कर्म युग के पहले राजा थे। ( )
(7) लोगस्स के पाठ में पाँच पद्य है। ( )
(8) धर्म के दो प्रकार है-आश्रव और संवर ( )
(9) अपरिग्रह का आधार है- मुर्छा और ममत्व का स्वभाव। ( )
(10) आत्मा और कर्मों का संबंध प्रवाह रूप से अनादि है। ( )

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2019-20 **3 अ**

जैन विद्या भाग-3

समय : ½ घण्टा प्रश्न पत्र-भाग अ पूर्णांक 30

रोल नं. अंको में .....
शब्दों में.....

नोट :- सभी प्रश्नो के अंक समान है। उत्तीर्णांक 100 में से 40 अंक होंगे।
अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें।

1. नमोत्थुणं पाटी का दूसरा नाम है-
(अ) उक्कित्तणं (ब) सक्कथुई
(स) काउस्सग्ग पडिन्ना (द) इरियावहियं सूत्र ( )

2. 24 तीर्थंकरों में छद्मस्थ साधना काल कौन से तीर्थंकर का सबसे कम था-
(अ) अजितवाथ (ब) पदम् प्रभु
(स) मल्लिनाथ (द) शान्तिनाथ ( )

3. महासती सरदारांजी का जन्म कहाँ हुआ-
(अ) चूरू (ब) बीदासर
(स) भीलवाड़ा (द) टमकोर ( )

4. आचार्य माणकगणी का कितने वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास हुआ-
(अ) 70 वर्ष (ब) 42 वर्ष
(स) 66 वर्ष (द) 56 वर्ष ( )

5. तेरापंथ धर्म संघ में संस्कृत के प्रथम पंडित कहलाते थे-
(अ) आचार्य भारमलजी (ब) आचार्य माणकगणी
(स) आचार्य मघवागणी (द) आचार्य कालुगणी ( )

6. इस काल के अंतिम केवली एवं मोक्ष गामी थे-
(अ) भगवान महावीर (ब) सुधर्मा स्वामी
(स) गौतम स्वामी (द) जम्बू स्वामी ( )

7. आचार्य हरिभद्रसूरि कितनी प्रकार की विद्याओं के निष्णात् विद्वान थे-
(अ) 14 (ब) 10
(स) 18 (द) 22 ( )

8. जैन संस्कृति व्रात्यों की संस्कृति है व्रात्य शबद का मूल अर्थ है-
(अ) त्याग (ब) तपस्या
(स) व्रत (द) उपासना ( )

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2019–20 **3 ब**

जैन विद्या भाग–3

समय : 2½ घण्टा प्रश्न पत्र–भाग ब पूर्णांक 70

नोट– पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न अ व ब दोनों प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं। उत्तीर्णांक 100 में से 40 अंक होंगे

(**A**) निम्न प्रश्नों के उत्तर दें (कोई दस) 10×3=30

1. अहिंसा पद के कोई तीन सूक्त अर्थ सहित लिखें।
2. तेज सूरज सा... पद्य को पूरा करो।
3. कितने देश के राजाओं ने मल्लिकुमारी से विवाह की कामना की?
4. अनेकान्त के बारे में बताएं।
5. यह जगत कब बना और किसने बनाया?
6. गुरु किसे कहते हैं?
7. चरम महोत्सव कब मनाया जाता है?
8. माला फेरते समय माला कैसे रखें? उसमें कितने मनके होते हैं?
9. सती सरदारांजी एक कुशल व्यवस्थापिका थी। स्पष्ट करें।
10. लोगस्स का पाठ लिखें।
11. विवाह के लिए गये हुए अरिष्टनेमि वापस क्यों लोट आये?

(**B**) किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें – 4×5=20

1. ''तुम्हारा मुंह देखने वाला नरक में जाता है'' आचार्य भिक्षु के इस प्रसंग को लिखें।
2. इरियावहियं सुत्तं लिखो।
3. हरिभद्र का अहं किसके बोध से पिघला?
4. सम्यकत्वी और मिथ्यात्वी में अन्तर स्पष्ट करें। सम्यकत्व का जैन धर्म में क्या महत्त्व है?
5. अर्थ हिंसा और अनर्थहिंसा में क्या भेद है?

(**C**) निबंधात्मक प्रश्न कोई दो करें। 2×10=20

1. महावीर का मेघ कुमार को ज्ञान दान कथा अपने शब्दों में लिखें।
2. विश्व में मूल राशी दो ही है। पूर्ण विस्तार से स्पष्ट करें।
3. ग्यारह गणधर में से किन्हीं तीन गणधरों के बारे में लिखें।